यमुना नदी के प्रदूषण से सूख रहे दिल्ली के नल

ANI

विस, नई दिल्ली : प्रदूषित होती यमुना का असर दिल्ली में पानी की सप्लाई को प्रभावित करता रहता है। 2021 में 134 दिन यमुना में अमोनिया का स्तर अधिक रहा। अमोनिया का स्तर जनवरी में बढ़ते ही दिल्ली जल बोर्ड को अपने 3 ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़े थे।

अमोनिया का अधिक स्तर नदी में रहने वाले जीवों के लिए भी खतरा हैं। वजीराबाद वॉटर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग लैब से मिले डेटा के आधार पर 2021 में राजधानी में 22 बार अमोनिया का स्तर अधिक रहा। इन 22 बार में 134 दिन शामिल रहे। इन सभी दिन अमोनिया का स्तर 1 पीपीएम से अधिक रहा। यानी 2021 में यमुना में प्रदूषण की वजह से तीन महीनों से अधिक समय के लिए पानी की सप्लाई प्रभावित रही। अधिकारियों के अनुसार अमोनिया के बढ़ने की समस्या पहले सर्दियों में आती थी, जब यमुना में पानी कम होता था। अब यह समस्या पूरे साल बनी रहती है। जब भी अमोनिया बढ़ता है तो हम दूसरे सोर्स से साफ पानी को यमुना के वजीराबाद तलाब की तरफ डायवर्ट कर उसे पतला करने की कोशिश करते हैं। ओजोनेशन प्लांट भी शुरू किए जा रहे हैं ताकि अमोनिया को ट्रीट करने की क्षमता 4 पीपीएम तक बढ़ सके।

पड़ रहा असर

- तीन महीनों से अधिक समय के लिए पानी की सप्लाई प्रभावित रही
- 2021 मे 134 दिन यमुना में बहुत ज्यादा रहा अमोनिया

जल बोर्ड डीजेबी के अनुसार, वह पानीपत की तरफ से नदी में आ रहे प्रदूषकों को मेंटेन कर रहे हैं। वजह अमोनिया का स्तर ही है। जल बोर्ड की तरफ से हरियाणा को पत्र भी लिखे जाते हैं कि यमुना में प्रदूषण की वजह हरियाणा की कुछ ड्रेन हैं।